



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसापारण

EXTRAORDINARY

भाग III—लकड़ I

PART II—I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ९] नई विल्हेमी, वानिशार, सितम्बर २९, १९७३/आष्विन ७, १८९५
 No. ९] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 29, 1973/ASVINA 7, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह घलगा संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961
(43 OF 1961)

Bhubaneswar, the 25th September 1973

No. 1/73-74/I.A.C.(A/R), Bhubaneswar.—Whereas, I Sri V. S. Murthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 58/Survey No. 59 situated at village Sankarapur (Berhampur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Berhampur on 23rd March, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Suhb Karan Bararia C/o Santosh Chandra Bararia
At : Jamunala Baja Street, Calcutta (Transferor)

(2) Mr. Joseph Vallooram S/o Joseph Vallooram Senior
Kanjur, Distt. Ernakulam (Transferee)

*(3) Shri/Shrimati/Kumari (person in occupation of the property)

*(4) Shri/Shrimati/Kumari (person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site located in Survey No. 59-AC, 0.16 3/4 cents Survey No. 58-AC 0.37 cents Totalling AC. 0.53 3/4 cents of Sankarapur village within Berhampur Municipality, Dist. Ganjam.

*Strike off where not applicable. V. S. MURTHY,
Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bhubaneswar).

सहायक आयकर आयुक्त मिरीकर कार्यालय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भुवनेश्वर, 25 सितम्बर, 1973

सं० 1/73-74/स०का०आ० (नि०) भूक्तेश्वर.—यह, मुझे, श्री पि० ओस० मुल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चय विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्भे न०—58/सर्भे न०—59 है, जो संकरपुर (ब्रह्मपुर) में स्थित है (और इससे उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय, ब्रह्मपुर

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझ यह विवरण करने को कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से सुई किसी आय की आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः सब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमः—

1. श्री सुभकरण भरारिया, C/O संतोस चंद्र, बरारिया (अन्तरक)
जमुनालाल बाजाज स्ट्रीट, कलकत्ता

2. श्री मिं ० गोसेप भोलाराम, S/O जोसेप भोलाराम सिनियर (अन्तरिती)
कंजुर, जिला—अरनाकुलम

† 3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

† 4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके आरे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिस जमीन का सर्वे नं० 59—अरेसि० 0.16. $\frac{3}{4}$ डेसिमल

सर्वे नं० 58—अरेसि० 0.37 डेसिमल

टोटल—अरेसि—0.53 $\frac{3}{4}$ डेसिमल

वही जमीन ब्रह्मपुर मुनिसपालिट का संकरपुर गाँवों में अवस्थित है। जिला—गंगाम

वर्ग० एस० मूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]

अर्जन रेज, भुवनेश्वर]

तारीखः 25-9-1973

मोहरः